

- मन से-मुख से...**
- पृष्ठ पर अंकित चित्र देखकर बताइए ये कौन हैं?
 - महान् व्यक्तियों से हमें क्या प्रेरणा मिलती है?

“प्रत्येक देश की प्रगति वहाँ के लोगों की शिक्षा पर निर्भर है। पुरानी बातें पुराने ज़माने के लिए थीं। ...खोजो, सीखो और संगठित हो।” यह संदेश थे महान् इंजीनियर डॉ. विश्वेश्वरैया।

बैंगलुरु से 60 किलोमीटर दूर एक छोटे से गाँव मुद्देनहलमी में 15 सितंबर सन 1861 को विश्वेश्वरैया का जन्म हुआ था। इनके पूर्वज आंध्रप्रदेश के कुरुनल ज़िले के एक गाँव मोक्षगुंडम में रहते थे। बाद में विश्वेश्वरैया के पिता मोक्षगुंडम श्रीनिवास शास्त्री मैसूर राज्य में आ गए। परंपरा के अनुसार विश्वेश्वरैया के नाम में भी मोक्षगुंडम जोड़ दिया गया। अब विश्वेश्वरैया का पूरा नाम हो गया मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया।



विश्वेश्वरैया का बचपन कठिनाइयों में बीता। जब वे 14 वर्ष के थे, उनके पिता की मृत्यु हो गई। तब वे अपने मामा के यहाँ चले गए। अपनी पढ़ाई का खर्च निकालने के लिए उन्हें घर-घर जाकर ट्यूशन पढ़ाना पड़ता था। बच्चों को पढ़ाने के लिए वे मीलों पैदल चलते थे।

विश्वेश्वरैया की प्रारंभिक शिक्षा चिकबल्लापुर के मिडिल और हाई स्कूल में हुई। उच्च शिक्षा के लिए उन्होंने बैंगलुरु सेंट्रल कॉलेज में सन 1875 में प्रवेश लिया। सन 1880 में लगभग 20 वर्ष की आयु में उन्होंने बी.ए. की परीक्षा विशेष योग्यता के साथ उत्तीर्ण की।

शिक्षण संकेत—

- बच्चों से पाठ पढ़वाएँ।
- डॉ. विश्वेश्वरैया के कामों और योगदानों की रूपरेखा बच्चों से तैयार करवाएँ।

विश्वेश्वरैया ने पूना कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से सन 1883 में इंजीनियरिंग की परीक्षा उत्तीर्ण की। परीक्षा में उन्होंने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके बाद उन्हें डॉक्टरेट की उपाधि से भी सम्मानित किया गया। इंजीनियरिंग की डिग्री मिलने के कुछ समय बाद ही उन्हें मुंबई लोक कल्याण विभाग में सहायक अभियंता के रूप में नौकरी मिल गई। फिर वे मैसूर राज्य के चीफ इंजीनियर बनाए गए। बाद में डॉ. विश्वेश्वरैया को मैसूर राज्य का दीवान बना दिया गया।

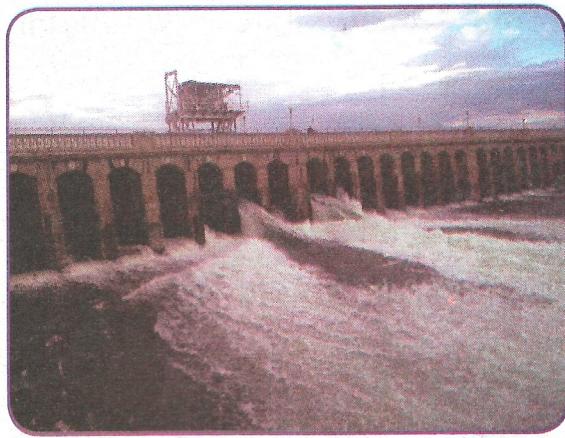
डॉ. विश्वेश्वरैया को बाँध बनवाने में कुशलता प्राप्त थी। उन्होंने अनेक बाँधों का निर्माण करवाया। कावेरी नदी पर उन्होंने कृष्णराज सागर बाँध बनवाया। इस बाँध के बन जाने से मैसूर में पानी की समस्या हल हो गई। जगह-जगह नहरों से पानी मिलने लगा। एक लाख एकड़ से भी अधिक भूमि पर सिंचाई होने लगी। गांधी जी ने इस बाँध को देखकर कहा था, “केवल कृष्णराज सागर बाँध ही सर विश्वेश्वरैया का नाम अमर करने के लिए पर्याप्त है।”

कृष्णराज सागर बाँध के पास ही उन्होंने वृंदावन गार्डन बनवाया जो अपनी सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। सुंदर महकते फूलों और रंग-बिरंगे फ़्लव्वारों की छटा देखते ही बनती है। चाँदनी रात में तो यह स्वर्ग-सा लगता है।

भारत सरकार ने उन्हें उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए सर्वोच्च सम्मान ‘भारतरत्न’ से सम्मानित किया और उनके जन्मदिवस को ‘अभियांत्रिक दिवस’ का नाम दिया। हम प्रतिवर्ष 15 सितंबर को ‘अभियांत्रिक दिवस’ के रूप में मनाते हैं।



वृंदावन गार्डन



कृष्णराज सागर बाँध

अभ्यास Exercises

शब्दार्थ word meaning

प्रगति	- <i>progress</i>
निर्भर	- <i>depend</i>
बचपन	- <i>childhood</i>
अभियंता	- <i>engineer</i>
योगदान	- <i>contribution</i>

शिक्षा	- <i>education</i>
संगठित	- <i>united</i>
उत्तीर्ण	- <i>pass</i>
समस्या	- <i>problem</i>
बाँध	- <i>dam</i>

पाठ से...

1. सही विकल्प चुनिए Choose the correct option—

क. डॉ. विश्वेश्वरैया का जन्म स्थान किस शहर के आस-पास है ?

बैंगलुरु चेन्नई हैदराबाद तिरुअनंतपुरम

ख. मैसूर किस राज्य में है ?

तमिलनाडु कर्नाटक केरल आंध्रप्रदेश

ग. कृष्णराज सागर बाँध किस नदी पर है ?

कृष्ण गोदावरी कावेरी नर्मदा

घ. डॉ. विश्वेश्वरैया का जन्मदिन किस दिवस के रूप में मनाया जाता है ?

शिक्षक दिवस विज्ञान दिवस अभियांत्रिक दिवस नागरिक दिवस

2. सही जोड़े बनाइए Make the correct pairs—

जन्म-स्थान

मुंबई लोक कल्याण विभाग

प्रारंभिक शिक्षा

बैंगलुरु सेंट्रल कॉलेज से

उच्च शिक्षा

मुद्देनहलमी

सहायक अभियंता के रूप में कार्यरत

चिकित्सालय



3. इन प्रश्नों के उत्तर दीजिए Answer these questions—

क. डॉ. विश्वेश्वरैया को सर्वप्रथम किस विभाग में इंजीनियर की नौकरी मिली?

.....
.....
.....

ख. कृष्णराज सागर बाँध से मैसूर राज्य को क्या लाभ पहुँचा?

.....
.....
.....

ग. कृष्णराज सागर बाँध को देखकर गांधी जी ने क्या कहा?

.....
.....
.....

भाषा से...

1. समझिए और लिखिए Understand and write—

अ + ज्ञान = अज्ञान

वि + देश =

सु + विचार =

परा + जय =

अ + काल =

आ + जन्म =

2. हिंदी में अनुवाद कीजिए Translate into Hindi—

क. Dr. Visvesvaraya was an engineer.

.....
.....

ख. We celebrate 'Engineer day' on 15 September.

.....
.....

ग. He entered in Bengaluru central college in 1875.

.....
.....

घ. He was the chief engineer of mysore state.

.....
.....

३. सुलेख Writing—

हम डॉ. विश्वेश्वरेया का जन्मदिन 'अभियांत्रिक दिवस' के

के रूप में मनाते हैं।

४. श्रुतलेख Dictation—

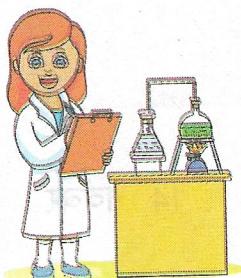
मोक्षगुंडम, विश्वेश्वरेया, निर्माण, समस्या, नियंत्रित, वृद्धावन, अर्थव्यवस्था, अभियंता, अभूतपूर्व,
अभियांत्रिक

५. चित्रों को पहचानिए और इन्हें वाक्यांशों से मिलाइए—

Recognise the pictures and match them with one word substitute.



जो रोगी का इलाज करता है।



जो पुल या बाँध आदि की रूप-रेखा तैयार करता हो।



जो विज्ञान संबंधी प्रयोग करता/करती हो।

पाठ से आगे...

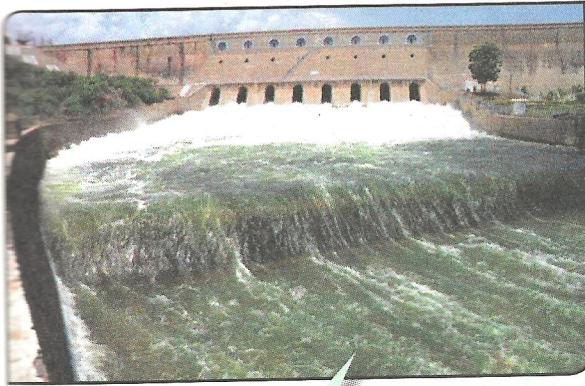
◆ इन दिवसों को संबंधित व्यक्तियों व तिथियों से मिलाइए—

Match these days with related persons and dates.

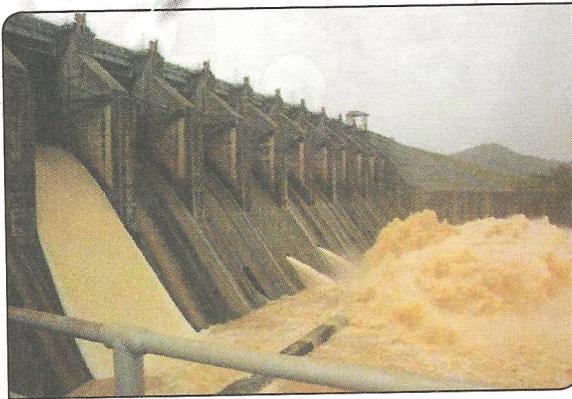
दिवस	व्यक्ति	तिथि
बाल दिवस		15 सितंबर
राष्ट्रीय विज्ञान दिवस		29 अगस्त
अभियांत्रिक दिवस		5 सितंबर
गांधी जयंती		2 अक्टूबर
शिक्षक दिवस		14 नवंबर
राष्ट्रीय खेल दिवस		28 फरवरी

◆ इनमें से किसी एक दिवस पर 5-6 वाक्य लिखिए और कक्षा में सुनाइए।
Speak five-six sentences on given any one day in the classroom.

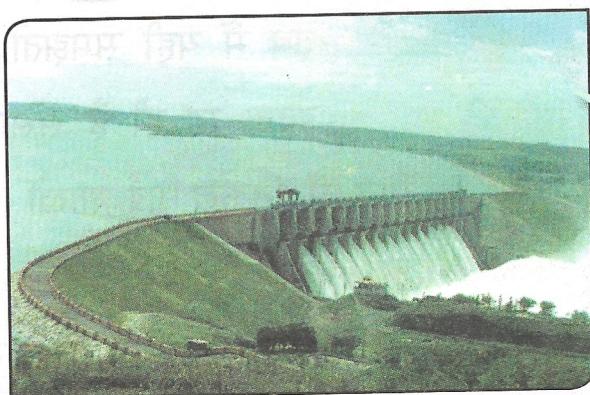
मुझे भी पहचानें... (recognise me)



मैं हूँ दामोदर नदी पर बना,
झारखण्ड का वासी।



मैं कावेरी नदी पर बना,
तमिलनाडु का वासी हूँ।



मैं हूँ बनास नदी पर बना,
राजस्थान का वासी।

मैं हूँ नर्मदा नदी पर बना,
मध्य प्रदेश का वासी।



1. दामोदर डम
2. बनास डम
3. नर्मदा डम
4. अलमती डम



बहुत बड़ा है यह संसार...



सबसे पहले मेरे घर का
अंडे जैसा था आकार
तब मैं यही समझती थी बस
इतना-सा ही है संसार।

फिर मेरा घर बना घोंसला
सूखे तिनकों से तैयार
तब मैं यही समझती थी बस
इतना-सा ही है संसार।

फिर मैं निकल गई शाखों पर
हरी-भरी थीं जो सुकुमार
तब मैं यही समझती थी बस
इतना-सा ही है संसार।

आखिर जब मैं आसमान में
उड़ी दूर तक पंख पसार
तभी समझ में मेरी आया
बहुत बड़ा है यह संसार।

—निरंकार देव 'सेवक'